सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर महर्षि योगी अरविंद जयंती 2024

रिपोर्ट

_अजमेर 16 अगस्त | सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर के दर्शन शास्त्र विभाग ने 16 अगस्त 2024 को महर्षि अरविंद जयंती पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया | जिसका विषय महर्षि अरविंद का 'राष्ट्रीय पुनरुत्थान में योगदान और आध्यात्मिक एवं दार्शनिक चिंतन' रहा | इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री दिनेश कुमार शर्मा, सचिव, अरविंद सोसायटी अजमेर इकाई रहे | प्राचार्य प्रो. (डॉ) मनोज कुमार बहरवाल कॉलेज शिक्षा सहायक निदेशक, प्रो. (डॉ) एस.के. बिस्सू अकादमी प्रभारी, प्रोफेसर अनिल कुमार दाधीच, प्रोफेसर रेखा यादव ने दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया | प्रोफेसर रेखा यादव ने विषय प्रवर्तन किया जिसमें उन्होंने महर्षि अरविंद के जीवन परिचय राष्ट्रीय पुनरुत्थान में उनका योगदान और उनके आध्यात्मिक व दार्शनिक विचारों की सरल भाषा में प्रस्तुतीकरण किया | उन्होंने बताया कि महर्षि अरविंद भारत को एक जमीन का टुकड़ा नहीं बल्कि माता मानते थे तथा यहां की संस्कृति को सार्वभौमिक प्रकृति के लिए महत्वपूर्ण मानते थे | अन्य संस्कृतियों की तुलना में भारतीय संस्कृति में त्याग, समर्पण और आत्म बलिदान का उत्कर्ष मूल्य माना गया है | उनकी दार्शनिक विचारधारा 'पूर्णतावाद' कहलाती है जिसमें परमसत्ता के स्वरूप विभिन्नताओं को भेद को अपने भीतर समन्वित करता है | जो हमें ज्ञान पुरुष बनने की संभावना देती है | मुख्य अतिथि श्री दिनेश कुमार शर्मा ने इस संगोष्ठी में बताया कि महर्षि अरविंद एक क्रांतिकारी दार्शनिक योगी लेखक और कवि थे | क्रांतिकारी से योगी बनने की यात्रा में उन्होंने स्वयं अतिमानव के स्तर पर पहुंच कर अ अतिमानसिक शक्ति को पृथ्वी पर उतर कर समस्त मानव जाति के लिए ध्यान समाधि मौन एकाग्रता और शांति को उपलब्ध कराने में सहायता की | उन्होंने श्री अरविंद की योग साधना पद्धति के अनुसार ध्यान करवाया | प्रोफेसर एस. के. बिस्सू ने इस विषय पर उद्बोधन करते हुए कहा कि महर्षि अरविंद भारतीय संस्कृति का सही प्रतिनिधित्व करते हैं | उन्होंने श्रोताओं को महर्षि अरविंद को पढ़ने समझने का आग्रह किया | तथा उनकी कुछ प्रेरक कथन सुनाएं | कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर प्राचार्य मनोज कुमार बहरवाल ने राष्ट्रीय पुनरुत्थान में महर्षि अरविंद के योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय परंपरा और ज्ञान के पुरोधा थे और उन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद व भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व किया | कार्यक्रम का संचालन दर्शनशास्त्र विभाग की शोध छात्रा भव्यता चौहान ने किया | कार्यक्रम के प्रभारी श्री रामानंद कुलदीप ने अंत में सभी वाक्य को धन्यवाद दिया | इस अवसर पर महर्षि अरविंद पर पुस्तकों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जिसमें अरविंद आश्रम की अजमेर इकाई द्वारा निशुल्क पुस्तक के उपलब्ध करवाई गई |

महर्षि योगी अरविन्द घोष जयंती 2024
आजादी का अमृत महोत्सव
SAMRAT PRITHVIRAJ CHAUHAN GOVERNMENT COLLEGE, AJMER
आजादी का अमृत महोत्सव